an>

Title: Need to allot land for the development of Nhava and Sheva villages by the Jawahar Lal Nehru Port Trust (JLNPT) as per agreed terms and conditions and also streamline the traffic system on the road leading to JLNPT.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल): जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जे.एन.पी.टी.) भारत सरकार का एक बहुत ही लाभदायक पोर्ट है परंतु इस पोर्ट की अन्य समस्याओं पर भी सरकार को ध्यान देने की जरूरत है, महोदया, सिड्को ने नावा सेवा गांव की जमीन जे.एन.पी.टी. बनाने हेतु अधिग्रहण की और गांववासियों को विस्थापित करते समय यह वादा किया गया कि गांववासियों को 23 हैक्टेयर जमीन ग्राम विकास के लिए दी जाएगी और स्थानीय किसानों को यह भी वादा किया गया है कि अधिग्रहण की गई कुल जमीन का 12.5 प्रतिशत हिस्सा स्थानीय किसानों को लौटाया जायेगा परंतु 1970 से अब तक राज्य या केन्द्र सरकार ने इस संबंध में अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं की, जिसके कारण परियोजना से प्रभावित जनता अपने अधिकारों हेतु समय समय पर आंदोलन करते हैं।

जे.एन.पी.टी. जाने वाले रास्ते की चौड़ाई कम होने के कारण और रास्ते में ट्रक कंटेनर खड़े किया जाने के कारण ट्रैफिक एवं पार्किंग की समस्या भी उत्पन्न होती है।

अतः मैं सरकार से उक्त विषयों पर ठोस कदम उठाने एवं किये गये वादे के मुताबिक नावा सेवा इन दोनों गांवों को 23 हैक्टेयर व 12.5 प्रतिशत जमीन विस्थापित किसानों को तुरंत दिए जाने की मांग करता हूं और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के रास्ते की ट्रैफिक समस्या को हल करने हेतु पार्किंग की सुविधा भी दिए जाने की मांग करता हूं।